



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 3 अक्टूबर, 2000/11 आदिवन, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

पशु पालन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 18 सितम्बर, 2000

संख्या ए० एच वाई-ए (3)-10/99.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या ए एच वाई०-ए०(3)-13/93, तारीख 22-10-1996 द्वारा अधिमूर्चित हिमाचल प्रदेश पशुपालन विभाग में विधि सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) लिपिक वर्गीय सेवाएं के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पशुपालन विभाग, विधि सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) लिपिक वर्गीय सेवाएं भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2000 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश पशुपालन विभाग विधि सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) लिपिक वर्गीय सेवाएं भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 के उपबन्ध "अ" में:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"6400-200-7000-220-8100-275-10300-320-10640 रुपये"

(ख) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उपबन्धों में अंकों और शब्दों "18 से 35 वर्ष" के स्थान पर "18 से 38 वर्ष" अंक और शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

(ग) स्तम्भ संख्या-11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

"लिपिक संवर्ग, जिसमें लिपिक/वरिष्ठ लिपिक/कनिष्ठ सहायक सम्मिलित है, में से जो कि उपर्युक्त स्तम्भ में दर्शाई गई शैक्षणिक योग्यताएं रखते हों, सहित, जिनका पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल या (31-3-98) तक की गई तदर्थ सेवा सहित 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा।"

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में आने का सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करने समय कनिष्ठ व्यक्ति में ऊपर रखे जायेंगे।

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी।

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्ववर्ती परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने के विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उसने कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा।

स्पष्टीकरण.—1 अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे इंडोविलाईज्ड आर्मड फोर्सिस परसेनल (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टेक्नीकल सर्विसीज) रुलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिने एक्म-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसीज) रुलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्पष्टीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी।

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट नदर्य सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जोरथाई-करण होगा उसके फलस्वरूप पारम्परिक वरीयता अग्रिमिलन रहेगी।

(घ) स्तम्भ संख्या 16 के अन्तर्गत विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे :—

“उक्त सेवा में नियुक्त, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण को वास्तव में जारी किए गए अनुदेशों के अधीन होंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of Government Notification No. Ahy.-A (3)-10/99, dated 18-9-2000 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 18th September, 2000

No. Ahy-A(3)-10/99.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following rules to amend the H. P. Animal Husbandry Department, Legal Assistant (Class-III, Non-Gazetted) Ministerial Services, Recruitment and Promotion Rules, 1996 notified vide this department Notification No. Ahy-A(3)-13/93, dated 22-10-1996, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(i) These Rules shall be called Himachal Pradesh Animal Husbandry Department, Legal Assistant (Class-III, Non-Gazetted) Ministerial Services Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2000.

(ii) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure ‘A’.*—In Annexure “A” to the Himachal Pradesh Animal Husbandry Department, Legal Assistant (Class-III Non-Gazetted) Ministerial Services, Recruitment and Promotion Rules, 1996:—

(a) For the existing provisions against Column No. 4 the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 6400-200-7000-220-8100-275-10300-320-10640”.

(b) In the provisions against Column No. 6 for the words and figure “Between 18 and 35 years” the words and figures “Between 18 to 38 years” shall be substituted.

(c) In the existing provisions against Column No. 11 the following shall be substituted, namely :—

“By promotion from amongst the incumbents of the clerical cadre (including Clerks/Senior Clerks/Junior Assistants) subject to fulfilling the educational qualifi-

cations prescribed in col. 7 above with 5 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service.”

- (1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that:—
- (i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less;

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of the seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (d) In the existing provision against Col. No. 16 the following shall be substituted; namely :—

“The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/other Backwards Classes/other categories of person issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.”

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.